लोग हमसे कहते है आगे बढ़ो दुनिया कहाँ जा रही है ? हम कहते हैं चलो 1400 साल पहले चलते हैं। अहद-ए-नबवी की ठंडक लेने की कोशिश करते है तरक्की वहीं से मिलेगी।

Let us go before 1400 years.

Wednesday, May 05, 2021 بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ **Publication S.N : 00000218**

تین نوجوان اور نیک اعمال

صحیحین اور دوسری کتبِ احادیث میں مروی ہے کہ اگلے وقتوں میں تین آدمی تلاشِ معاش کے لئے سفر میں نکلے، راستے میں انہیں بارش نے آ لیا اور وہ بھاگ کر ایک غار میں چھپ گئے، اچانک ایک چٹان لڑھک کر غار کے منہ پر آ کر رُک گئی اور غار کا منہ بند ہو گیا، انہوں نے آپس میں یہ طے کیا کہ ہر ایک اپنے اچھے اعمال کو یاد کر کے دعا مانگے تاکہ یہ چٹان ہٹ جائے، ایک اور روایت کے لفظ یہ ہیں، انہوں نے ایک دوسرے سے کہا ذرا سوچو اور کوئی ایسا عمل یاد کرو جو تم نے اللہ کی رضا جوئی میں کیا ہو اور اس عمل کو واسطہ بنا کر اس چٹان سے نجات کی دعا مانگو، ایک اور روایت کے الفاظ ہیں، چٹان گرنے کی وجہ سے غار کا نشان مٹ گیا، اللہ تعالیٰ کے سوا کوئی نہیں جانتا ہم کہاں ہیں، اللہ تعالیٰ سے اپنے بہترین عمل کو سامنے رکھتے ہوئے دعا کریں، تب ان میں سے ایک نے کہا، الٰہ العالمین! میرے والدین بوڑھے تھے، میں ان سے پہلے شام کو کسی بچے کو دودھ نہیں پلایا کرتا تھا۔ ایک مرتبہ ایسا اتفاق ہوا، میں کسی کام سے چلا گیا، جب میں واپس آیا تو وہ سو چکے تھے، میں نے دودھ دوہا اور ساری رات دودھ لیکر سرہانے کھڑا رہا یہاں تک کہ صبح ہو گئی اور میرے بچے ساری رات بھوکے سوتے رہے، اے ربِ ذوالجلال! میں نے یہ سب کچھ تیری رضا جوئی کے لئے کیا تھا، اب تو یہ چٹان ہم سے ہٹا دے اس دعا کے بعد چٹان اتنی ہٹ گئی کہ سورج کی روشنی اندر آنے لگی۔

ایک روایت کے الفاظ ہیں، میرے چھوٹے بچے تھے، میں جب بکریاں چرا کر واپس آتا تو دودھ دوہ کر پہلے والدین کو پلاتا پھر بچوں کو دیتا۔ ایک مرتبہ مجھے ضروری کام کے لئے جانا ہوا، واپسی اس وقت ہوئی جب میرے والدین سو چکے تھے، میں نے حسبِ معمول دودھ نکالا اور لیکر والدین کے سرہانے کھڑا ہو گیا اور بچے میرے قدموں میں پڑے دودھ طلب کرتے رہے مگر میں نے والدین کو دودھ پلائے بغیر انہیں دودھ دینا مناسب نہ سمجھا یہاں تک کہ صبح ہو گئی۔ اے اللہ! اگر میرا یہ عمل تیری رضا جوئی میں تھا تو اس چٹان کو ہٹا دے کہ ہم آسمان کو دیکھ سکیں، چٹان اتنی ہٹ گئی کہ انہیں آسمان نظر آنے لگا۔ دوسرے نے چچازاد بہن سے زنا سے باز رہنے کا ذکر کیا اور تیسرے نے مزدور کی اجرت کی امانت داری کا ذکر کیا یہاں تک کہ چٹان مکمل طور پر ہٹ گئی اور وہ باہر نکل گئے۔

तीन नौजवान और नेक आमाल

सहीहेन और दूसरी क़ुतुब-ए-अहादीस में मरवी है कि अगले वक़्तों में तीन आदमी तलाश-ए-मुआश के लिए सफर में निकले। रास्ते में उन्हें बारिश ने आ लिया और वह भाग कर एक ग़ार में छुप गए। अचानक एक चट्टान लुढ़क कर ग़ार के मुँह पर आ कर रुक गई और ग़ार का मुँह बंद हो गया। उन्होने आपस में ये तै किया कि हर एक अपने अच्छे आमाल को याद कर के दुआ मांगे ताकि ये चट्टान हट जाए। एक और रिवायत के अल्फाज़ ये हैं : उन्होने एक दूसरे से कहा " ज़रा सोचो और कोई ऐसा अमल याद करो जो तुमने अल्लाह की रज़ा-जोई में किया हो और उस अमल को वास्ता बना कर इस चट्टान से निजात की दुआ मांगो। एक और रिवायत के अल्फाज़ हैं : " चट्टान गिरने की वजह से ग़ार का निशान मिट गया। अल्लाह तआला के सिवा कोई नही जानता हम कहाँ हैं। अल्लाह तआला से अपने बेहतरीन अमल को सामने रखते हुए दुआ करें। तब उन में से एक ने कहा, इलाहल-आलमीन ! मेरे वालिदैन बूढ़े थे। मै उन से पहले शाम को किसी बच्चे को दूध नही पिलाया करता था। एक मर्तबा ऐसा इत्तेफाक़ हुआ, मै किसी काम से चला गया। जब मै वापस आया तो वह सो चुके थे। मे ने दूध दोहा और सारी रात दूध ले कर सिरहाने खड़ा रहा यहाँ तक कि सुबह हो गई और मेरे बच्चे सारी रात भूखे सोते रहे। ऐ रब्बे ज़ुलजलाल ! मेने ये सब कुछ तेरी रज़ा-जोई के लिए किया था। अब तू ये चट्टान हम से हटा दे। इस दुआ के बाद चट्टान इतनी हट गई कि सूरज की रोशनी अंदर आने लगी।

एक रिवायत के अल्फाज़ हैं, "मेरे छोटे बच्चे थे, मै जब बकरियाँ चरा कर वापस आता तो दूध दोह कर पहले वालिदैन को पिलाता फिर बच्चों को देता। एक मर्तबा मुझे ज़रूरी काम के लिए जाना हुआ। वापसी उस वक़्त हुई जब मेरे वालिदैन सो चुके थे। मै ने जब हस्बे मामूल दूध निकाला और ले कर वालिदैन के सिरहाने खड़ा हो गया और बच्चे मेरे क़दमों में पड़े दूध तलब करते रहे मगर मेने वालिदैन कू दूध पिलाए बग़ैर उन्हें दूध देना मुनासिब ना समझा यहाँ तक कि सुबह हो गई। ऐ अल्लाह ! अगर मेरा ये अमल तेरी रज़ा-जोई में था तो इस चट्टान को हटा दे कि हम आसमान को देख सकें। चट्टान इतनी हट गई कि उन्हें आसमान नज़र आने लगा। दूसरे ने चचाज़ाद बहन से ज़िना से बाज़ रहने का ज़िक्र किया और तीसरे ने मज़दूरी की उजरत की अमानत-दारी का ज़िक्र किया यहाँ तक कि चट्टान हट गई और वह बाहर निकल गए।

मुक़ाशिफतुल क़ुलूब